A–603

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–602

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार–01

MA JYOTISH (MAJY)

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आश्रय एवं दल योगों के लक्षण का निरूपण कीजिए।

2. सुनफा-अनफा-दुरधरा योगों के लक्षण एवं फलों का वर्णन कीजिए।

3. लक्ष्मीयोग एवं कुसुम योग के लक्षण तथा फल का निरूपण कीजिए।

4. हस्त नक्षत्र भयात् 40/24, भभोग 56/45 है तो विंशोत्तरी दशा के अनुसार भुक्त एवं भोग्य दशा का साधन कीजिए।

5. योगिनी दशा साधन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्राण दशा का आनयन कैसे किया जाता है ? वर्णन कीजिए।

2. लग्नादि द्वादश भाव के अनुसार मारकेश निर्णय कीजिए।

3. अष्टोत्तरी महादशा के अनुसार ग्रहों का नक्षत्र एवं दशावर्ष का निरूपण कीजिए।

4. सूर्य के द्वारा निर्मित राजयोगों का वर्णन कीजिए।

5. श्रीनाथ योग का लक्षण एवं फल का निरूपण कीजिए।

6. रूचक योग का लक्षण एवं फल लिखिए।

7. किसी **दो** दारिद्रय योग के लक्षण एवं फलों का निरूपण कीजिए।

8. गजकेसरी योग का लक्षण एवं फल लिखिए।

****